Bihar Board Class 6 Social Science Important Questions History Chapter 10 शहरी एवं ग्राम जीवन

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
भारतीय उपमहाद्वीप में लोहे का प्रयोग कब शुरू हुआ?
उत्तर:
भारतीय उपमहाद्वीप में लोहे का प्रयोग लगभग 3000 साल पहले शुरू हुआ।

प्रश्न 2.
लगभग 2500 वर्ष पहले लोहे के औजारों के बढ़ते उपयोग के दो प्रमाण बताइये।
उत्तर:

- जंगलों को साफ करने के लिए कुल्हाड़ियों का उपयोग।
- जुताई के लिए हलों के फाल का उपयोग।

प्रश्न 3.
कडैसियार और अदिमई कौन लोग कहलाते थे?
उत्तर:
तमिल क्षेत्र में भूमिहीन मजदूर तथा दास लोग कडैसियार और अदिमई कहलाते थे।

प्रश्न 4.
गृहपति किसे कहते थे?
उत्तर:
ग्राम - भोजकों के अलावा गाँव में निवास करने वाले अन्य स्वतन्य कृषक, गृहपति कहलाते थे।

प्रश्न 5.
संगम साहित्य किसे कहते हैं?
उत्तर:
तमिल की प्राचीनतम रचनाओं को संगम साहित्य कहते हैं।

प्रश्न 6.
जातक क्या है?
उत्तर:
जातक वे कहानियाँ हैं, जो आम लोगों में प्रचलित थीं।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 7.
वलयकूप का प्रयोग किन कार्यों के लिए होता था?
उत्तर:
वलयकूप गुसलखाने, नाली या कूड़ेदान के लिए प्रयुक्त होते थे।

प्रश्न 8.
बेरिगाजा की संकरी खाड़ी में जहाज कौन ला सकते थे?
उत्तर:
बेरिंगाजा की संकरी खाड़ी में राजा के द्वारा नियुक्त कुशल और अनुभवी स्थानीय मछुआरे ही जहाज ला सकते थे।

प्रश्न 9.
आहत सिक्के किसे कहते हैं?
उत्तर:
धातु की चादर को काटकर उस पर ठप्पे से चिह्न लगाकर अनाये गये सिक्के आहत सिक्के कहलाते हैं।

प्रश्न 10.
सबसे पुराने सिक्के कौनसे थे? ये कितने वर्षों तक चले?
उत्तर:
सबसे पुराने सिक्के आहत सिक्के थे। ये करीब 500 वर्षों तक चले।

प्रश्न 11.
कुषाणों की दूसरी राजधानी कौनसी थी?
उत्तर:
कुषाणों की दूसरी राजधानी मथुरा थी।

प्रश्न 12.
प्राचीन भारत में कपड़ा उत्पादन के दो प्रसिद्ध केन्द्र कौनसे थे? यहाँ कौन काम करते थे?
उत्तर:
प्राचीन भारत में उत्तर में वाराणसी तथा दक्षिण में मदुरै कपड़ा उत्पादन के प्रसिद्ध केन्द्र थे। यहाँ स्त्री - पुरुष दोनों काम करते थे।

प्रश्न 13.
श्रेणी किसे कहते थे?
उत्तर:
अनेक शिल्पकार तथा व्यापारी अपने - अपने संघ बनाने लगे थे, जिन्हें श्रेणी कहते थे।

प्रश्न 14.
ऑगस्टस कौन था?
उत्तर:
ऑगस्टस रोमन साम्राज्य के सबसे महत्वपूर्ण शासकों में से एक था, जिसने लगभग 2000 वर्ष पहले शासन किया था।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 15.
ऑगस्टस ने क्या कहा था?
उत्तर:
ऑगस्टस ने कहा था कि रोम ईंटों का शहर था, जिसे उसने संगमरमर का बनवाया।

प्रश्न 16.
एरेटाइन पात्र को किस प्रकार बनाया जाता था?
उत्तर:
एरेटाइन पात्र को मुहर लगे सांचे पर गीली चिकनी मिट्टी को दबा कर बनाया जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
प्राचीन भारत में कृषि उत्पादन किस प्रकार बढ़ा?
उत्तर:
प्राचीन भारत में सभ्यता के विकास के साथ - साथ कृषि उत्पादन भी बढ़ा। कृषि में अनेक औजारों का उपयोग होने लगा। हंसिया तथा जुताई हेतु हलों के फाल के प्रयोग से कृषि उत्पादन बढ़ा। रोपाई विधि से भी कृषि को लाभ मिला। इसके साथ - साथ सिंचाई भी काफी उपयोगी साबित हुई। इस समय सिंचाई के लिए नहरें, कुएं, तालाब तथा कृत्रिम जलाशय बनाये गये।

प्रश्न 2.
प्राचीनतम तमिल रचनाओं के बारे में बताइये।
अथवा
संगम साहित्य किसे कहते हैं? इसके बारे में बताइये।
उत्तर:
संगम साहित्य: तमिल की प्राचीनतम रचनाओं को संगम साहित्य कहते हैं। इनकी रचना करीब 2300 साल पहले की गई। इनें संगम इसलिए कहा जाता है क्योंकि मदुरै के कवियों के सम्मेलनों में इनका संकलन किया जाता था। तमिल क्षेत्र में गांव में रहने वालों के तमिल नामों - वेल्लला, उणवार तथा अदिगई - का उल्लेख संगम साहित्य में पाया जाता है।

प्रश्न 3.
बेरिगाजा के राजा के लिए व्यापारी क्या उपहार लाते थे?
उत्तर:
बेरिगाजा के राजा के लिए व्यापारी विशेष उपहार लाते थे। इनमें चांदी के बर्तन, गायक - किशोर, सुंदर औरतें, अच्छी शराब तथा उत्कृष्ट महीन कपड़े शामिल थे।

प्रश्न 4.
आहत सिक्कों के बारे में आप क्या जानते हैं?
उत्तर:
आहत सिक्के: आहत सिक्के सबसे पुराने सिक्के बे,जो लगभग 500 साल तक चले। आहत सिक्के सामान्यतः आयताकार और कभी - कभी वर्गाकार या गोल होते थे। ये या तो धातु की चादर को काटकर या

https://www.evidyarthi.in/

धातु के चपटे गोलिकाओं से बनाये जाते थे। इन सिक्कों पर कुछ लिखा हुआ नहीं होता था, बल्कि इन पर कुछ चिह ठप्से से बनाये जाते थे। इसीलिए ये आहत सिक्के कहलाते थे। वे सिक्के भारतीय उपमहाद्वीप के लगभग अधिकांश हिस्सों में पाए जाते हैं और ईसा की आरंभिक सदियों तक ये प्रचलन में रहे।

प्रश्न 5.
पुरास्थलों से शिल्पों के क्या नमूने मिले हैं?
उत्तर:
पुरास्थलों से शिल्पों के नमूने मिले हैं। इनमें मिट्टी के बहुत ही पतले और सुंदर बर्तन मिले हैं, जिन्हें उत्तरी काले चमकीले पात्र कहा जाता है क्योंकि ये ज्यादात उपमहाद्वीप के उत्तरी भाग में मिले हैं।

प्रश्न 6.
पुरास्थलों से प्राप्त उत्तरी काले चमकीले पात्रों का वर्णन कीजिये।
उत्तर:
उत्तरी काले चमकीले पात्र: ये एक कठोर, चाक निर्मित, धातु की तरह दिखने वाले तथा चमकदार काली सतह वाले पात्र हैं। इसे बनाने के लिए कुम्हार मिट्टी के बर्तनों को भट्ठों पर उच्च तापमान पर रखते थे जिसके परिणामस्वरूप इन बर्तनों की बाहरी सतह काली हो जाती थी। इन पर एक पतला काला लेप भी लगाया जाता था जो इस बर्तन को शीशे जैसी चमक प्रदान करता था।

प्रश्न 7.
श्रेणियों के क्या कार्य थे?
उत्तर:
श्रेणियों के अनेक कार्य थे, जैसे:

1. शिल्पकारों की श्रेणियों का काम प्रशिक्षण देना, कच्चा माल उपलब्ध कराना तथा तैयार माल का वितरण करना था।
2. व्यापारियों की श्रेणियाँ व्यापार का संचालन करती थीं।
3. श्रेणियाँ बैंकों के रूप में भी काम करती थीं, जहाँ लोग पैसे जमा रखते थे। इस धन का निवेश लाभ के लिए किया जाता था। उससे मिले लाभ का कुछ हिस्सा जमा करने वाले को लौटा दिया जाता था या फिर मठ आदि धार्मिक संस्थानों को दिया जाता था।

प्रश्न 8.
एंफोरा क्या है?
उत्तर:
एंफोरा एक विशेष प्रकार का पात्र होता है। पुदुच्चेरी (अरिकामेडु) में भूमध्यसागरीय क्षेत्र के एफोरा जैसे पात्र मिले हैं। इनमें शराब या तेल जैसे तरल पदार्थ रखे जा सकते थे। इनमें दोनों तरफ से पकड़ने के लिए हत्थे भी लगे है।

प्रश्न 9.
तमिल ब्राह्मी अभिलेख किसे कहा जाता है?
उत्तर:
अरिकामेड़ से मिले कई बर्तनों पर ब्राह्मी लिपि में अभिलेख मिले हैं। प्रारंभ में तमिल भाषा के लिए इसी लिपि का प्रयोग किया जाता था। इसीलिए इन्हें तमिल ब्राह्मी अभिलेख भी कहा जाता है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 10.
ऑगस्टस तथा उसके बाद के शासकों द्वारा रोमन साम्राज्य में बनवाई गई इमारतों का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।
उत्तर:

1. ऑगस्टस और उसके बाद के शासकों ने रोमन साम्राज्य में कई मन्दिर तथा महल बनवाए।
2. ऑगस्टस ने बड़े - बड़े रंगमंडल (एम्फिथियेटर) अनवाए। इनमें चारों तरफ दर्शकों के बैठने की सीढ़ीनुमा जगहें होती थीं। यहाँ लोग विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम देख सकते थे।
3. उन्होंने स्नानागार भी बनवाए जहाँ स्त्रियों तथा पुरुषों के लिए अलग - अलग समय निर्धारित थे। यहाँ लोग एकदूसरे से मिलते थे, और आराम करते थे।
4. बड़े - बड़े जलवाही सेतु (एक्याडक्ट) के जरिए शहर के स्नानागारों, फव्वारों तथा गुसलखानों के लिए पानी लाया जाता था।

evidyarthi